PERIODIC ASSIGNMENT -3 2020-21	
Grade – 5	Subject- Hindi
Syllabus – CH- 10,11,12,13 & 14	

अपठित-विभाग

प्र-१ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. एक जंगल में परिजात का एक पेड़ था। परिजात का कोई मुकाबला नहीं था। उसकी सुंदरता बेजोड़ थी। उसका रंग- रूप निराला था। परिजात को भी अपने गुणों का पूरा-पूरा पता था। नीले आसमान में सिर उठाए इस शान से खड़ा रहता, मानों पेड़ों का सरताज हो। जब बहार के दिन आते तो परिजात अनगिनत नन्हें-नन्हें फूलों से लद जाता, लगता मानों किसी ने आकाश से सारे तारे तोड़कर परिजात की शाखाओं पर टाँक दिए हो। नन्हें फूलों से झिलमिलाता परिजात जब सुगंध भरी पराग जंगल में बिखेरता तो जंगल नंदन बन जाता। चुंबक की तरह परिजात सबको अपनी तरफ़ खींचता, जिसे देखो, वही परिजात की तरफ़ भागता । सतरंगी शालें ओढ़े चटकीली तितलियाँ सहेलियों के साथ झुंड का झुंड बनाकर परिजात का श्रृंगार देखने आतीं तथा जाते-जाते फूलों को खींचकर ढेरों पराग अपने साथ ले जाती।

I : जंगल में किसका पेड़ था**?**

उत्तर : परिजात

ii : परिजात अपने आप को स्वयं क्या समझता था**?**

उत्तर : पेड़ों का सरताज

iii : वह अनगिनत फूलों से कब लद जाता था**?**

उत्तर : बहार में

iv : तितलियाँ क्या करती थीं**?**

उत्तर **:** उसके फूलों का पराग ले जाती थीं

v : इस गद्यांश का शीर्षक है

उत्तर **:** परिजात पेड़

2. नीम भारत का जाना पहचाना वृक्ष है। बबूल की तरह इसके बीज बरसात में उग जाते हैं। गांवों में आंगन , खेत की मेड़ों तथा बगीचों में नीम के वृक्ष लगाने की पंरपरा बहुत पहले से चली आ रही है।नीम की पत्तियों को गेहूं , जौं, चने में कीटनाशक के रूप में प्रयोग किया जाता है।नीम की दातुन दांत के रोगों तथा कीड़ों से बचाव कर दांतों को मजबूत करती है।नीम की छाल घाव में मरहम का काम करती है।नीम का अर्क पीने से खून साफ होता है।

१: गद्याश में किस वृक्ष का वर्णन किया गया है**?**

उत्तर: नीम

२: नीम की पत्तियों का प्रयोग किस रूप में होता है**?**

उत्तर: गेहूं , जौं, चने में कीटनाशक के रूप

३: नीम का पेड़ कहां कहां लगाया जाता है**?**

उत्तर: गांवों में आंगन , खेत की मेड़ों तथा बगीचों में

४: लोग नीम के दातुन का प्रयोग क्यों करते हैं**?**

उत्तर: दांत के रोगों तथा कीड़ों से बचाव कर दांतों को मजबूत करती है

५: कीटनाशक शब्द का अर्थ लिखिए**?**

उत्तर: कीड़ों से बचाव

3. आकाश में बादल छाये हुये थे ।मूसलाधार बारिश हो रही थी । तभी जेल के सारे पहरेदार सो गये और जेल के सार दरवाज खुल गये और उसी समय अँधेरी रात में कृष्ण का जन्म हुआ। उनके जन्म पर सभी देवों ने फूलों की बारिश की। उनके पिता का नाम वासुदेव और माता का नाम देवकी था कृष्ण ने बहुत से राक्षसों का वध किया । और लोगों को शिक्षा दी कि धर्म क रास्ते पर हमें ह्मेशा चलना चाहिए । कृष्ण के मामा का नाम कंस था ।वह बहुत अत्याचारी था । उसके राज्य में प्रजा बहुत ही दुखी थी ।
निम्न प्रश्नों के उत्तर दो ।

प्र-१ कृष्ण का जन्म कब हुआ?

उत्तर : अँधेरी रात में

प्र-२ कृष्ण का जन्म कहाँ हुआ था?

उत्तर :जेल

प्र-३ कृष्ण के माता - पिता का क्या नाम था?

उत्तर :पिता का नाम वासुदेव और माता का नाम देवकी था

प्र-४ कृष्ण के मामा का क्या नाम था?

उत्तर :कंस

प्र-५ कृष्ण का मामा कैसे थे?

उत्तर :अत्याचारी

(भाग – ब) (लेखनविभाग)

प्रिय खेल

भारत में क्रिकेट का खेल कई वर्षों से खेला जा रहा है, यह एक काफी प्रसिद्ध तथा रोमांचक खेल है। इसे खेल को बच्चों द्वारा काफी पसंद किया जाता है सामान्यतः छोटे मैदान, सड़क जैसे आदि जैसे किसी भी छोटे खुले स्थानों पर उनकी क्रिकेट खेलने की आदत होती है।

बच्चे क्रिकेट और उसके नियम-कानूनों के बारे में जानकारी के शौकीन होते है। भारत में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेले जाने वाले में खेलों में क्रिकेट सबसे अधिक प्रसिद्ध है। लोगों में क्रिकेट की लोकप्रियता इतनी अधिक है कि इस खेल को देखने के लिए दर्शकों की जितनी भीड़ स्टेडियम में जाती है उतनी शायद ही किसी दूसरे खेल में जाती हो।
क्रिकेट राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों द्वारा पर खेला जाने वाला एक पेशेवर स्तर का आउटडोर खेल है।
इस बाहर खेले जाने वाले खेल में **11** खिलाड़ियों की दो टीमें होती है। क्रिकेट तब तक खेला जाता है जब तक **50** ओवर पूरे न हो जाए। इससे जुड़े नियम-कानून का संचालन तथा नियमन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और मेर्लबोर्न क्रिकेट क्लब द्वारा किया जाता है। यह खेल टेस्ट मैचों और एक दिवसीय तथा टी **20** अंतरराष्ट्रीय मैचों के रुप में खेला जाता है। सर्वप्रथम यह खेल **16**वीं शताब्दी के दक्षिणी इंग्लैंड में खेला जाता था। हालाँकि **18**वीं शताब्दी के दौरान इसका विकास इंग्लैंड के राष्ट्रीय खेल के रुप में हुआ।

भारत में छोटे बच्चे इस खेल के दिवाने है और वह इसे छोटी सी खुली जगहों में खेलते है, खासतौर से सड़क और पार्क में। अगर इसे रोज खेला और अभ्यास किया जाये तो ये बहुत ही आसान खेल है। क्रिकेट खिलाड़ियों को अपने खेल में सुधार लाने के लिये रोज अभ्यास की जरूरत पड़ती है जिससे वो छोटी-छोटी गलतियों को दूर कर सकें और पूरे प्रवाह के साथ इसे खेल सकें।

पत्र-लेखन

१ : विदयालय में पीने के पानी की उचित व्यवस्था कराने हेतु प्रधानाचार्याजी को प्रार्थना पत्र लिखिए।

दिनांक-:१२-१०-२०२०

पुज्यनीय प्राचार्य,

संतकेव्स्कूल, मुम्बई

आदरनिय प्राचार्य महोदय,

मैंने यह पत्र आपको ये सूचित करने हेतु लिखा है कि , हमारे विद्यालय में पानी की बहुत बड़ी समस्या उत्पन हो गयी है, और ये समस्या पहली बार नहीं, हर गर्मी के मौसम में उत्पन होतीहै, हमारेस्कूल में नल और सिर्फ चापाकल है , और विद्यार्थियों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है , जिसके वजह से गर्मी के मौसम में हमें पानी पीने के लिए लंबी लाइन में लगना पड़ता है, और आज कल हमारे स्कूल की पानी भी अच्छी नहीं रहीहै , कभी कभी पानी में से गंध आने लगती है।इसलिए में आपसे निवेदन करता हूँ की कृपया आप इस समस्या का निवारण करे।

आपका आज्ञाकारी छात्र,

आदित्य सिंह।

भाग :१ (क)<u>व्याकरण</u>

१: शब्दार्थ लिखिए।

- पाबंदी-रोक
- तकरार-झगड़ा
- दरखास्त-प्रार्थना
- खिदमत-सेवा में
- ऊधम-शोर
- आपा-बड़ी बहन
- बेबस-लाचार
- गुसलखाना-स्नानघर

- खून का घूँट पीना-गुस्सा दबा देना
- इम्तिहान- परीक्षा
- मुआयना-जाँच करना
- निहायत-बिल्कुल
- हुक्म-आदेश
- हर्ज-नुकसान
- प्रबंधक- व्यवस्था करनेवाला
- दस्तकदेना-दरवाज़ा खटखटाना
- भुक्खड़- भूखा
- बदकिस्मती- बुरीकिस्मत
- आँखे फैलाकर- रोचक या रुचिपूर्णढ़ंग से बाते करना
- झरना- पहाड़ी इलाको में ऊपर से गिरता पानी
- दफ्तर- अॉफ़िस, कार्यालय
- आगाह- चेतावनी
- रेशे-पतले धागे
- वर्दी-एक सी युनिफार्म
- दफ्तर-कार्यालय
- खूँखार-डरावना, खतरनाक
- बेवकूफ- मूर्ख६ ऊलजलूल-बेकार की
- मजिस्ट्रेट-दंडाधिकारी

२: पर्यायवाची शब्द

1:अमृत – सोम, पीयूष, सुधा, अमिय, मधु।

2. अग्नि – आग, हुताशन, अनल, पावक।

3. हवा – पवन, वायु, समीर, अनिल, बयार।

4. बादल – घटा, मेघ, अंबुद, घन।

5. आंख – नेत्र, लोचन, नयन।

6. फूल – पुष्प, सुमन, कुसुम, प्रसून।

7. अंहकार – घमंड, दंभ, अभिमान, गर्व, मद।

8. सूर्य – सूरज, रवि, भास्कर, दिनकर, भानु।

३:अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

जो क्षमा न किया जा सके **– अक्षम्य**

जहाँ पहुँचा न जा सके **– अगम्य**

जिसे सबसे पहले गिनना उचित हो **– अग्रगण्य**

जिसका जन्म पहले हुआ हो **– अग्रज**

जिसका जन्म बाद/पीछे हुआ हो **– अनुज**

जिसकी उपमा न हो **– अनुपम**

जिसकी गिनती न हो सके — अगणित/अगणनीय

जो पहले पढ़ा हुआ न हो — अपठित

जिसके आने की तिथि निश्चित न हो — अतिथि

कमर के नीचे पहने जाने वाला वस्त्र— अधोवस्त्र

जिसके बारे में कोई निश्चय न हो— अनिश्चित

जिसका भाषा द्वारा वर्णन असंभव हो— अनिर्वचनीय

अत्यधिक बढ़ा–चढ़ा कर कही गई बात— अतिशयोक्ति

सबसे आगे रहने वाला— अग्रणी

जो पहले जन्मा हो— अग्रज

जो बाद में जन्मा हो— अनुज

जो इंद्रियों द्वारा न जाना जा सके— अगोचर

जिसका पता न हो— अज्ञात

आगे आने वाला— आगामी

अण्डे से जन्म लेने वाला— अण्डज

जो छूने योग्य न हो— अछूत

जो छुआ न गया हो— अछूता

जो अपने स्थान या स्थिति से अलग न किया जा सके— अच्युत

जो अपनी बात से टले नहीं— अटल

वह स्त्री जिसके पति ने दूसरी शादी कर ली हो— अध्यूढ़ा

दूसरे की विवाहित स्त्री— अन्योढ़ा

४: विलोम शब्द या विपरीतार्थक शब्द

अदोष – सदोष

आकाम – सकाम

अंतरंग – बहिरंग

अर्पण – ग्रहण

अस्त – उदय

अमर – मर्त्य

अन्नति – उन्नति

अनुकूल – प्रतिकूल

अग्नि – जल

अति – अल्प

अरुचि – सुरुचि

अनेकता – एकता

अमृत – विष

अमीर – गरीब

अनित्य – नित्य

अतल – वितल

अधिक – अल्प

अधिकारी – अनधिकारी

अंधकार – प्रकाश

अग्रज – अनुज

अनाप -शनाप

अल्पायु – दीर्घायु

अनुरक्ति – विरक्ति

अल्पज्ञ – बहुज्ञ

अस्वस्थ – स्वस्थ

अगला – पिछला

अंत – आदि

अनुलोम – प्रतिलोम

अवनी – अंबर

अर्थ – अनर्थ

अनाहूत – आहूत

अतुकांत – तुकांत

अत्यधिक – अत्यल्प

अधिकतम – न्यूनतम

अधुनातन – पुरातन

अनुग्रह – विग्रह

अर्पित – गृहीत

अर्जन – वर्जन

अपेक्षा – उपेक्षा

अधम – उत्तम

अंगीकार – अस्वीकार

अज्ञ – विज्ञ

अतिवृष्टि – अनावृष्टि

अमावस्या – पूर्णिमा

अघ – अनघ

अकाल – सकाल

अर्थी – प्रर्थी

अनैक्य – एकैकय

अंत – अनंत

अचर – चर

अर्वाचीन – प्राचीन

आहार – निराहार

आवश्यक – अनावश्यक

आर्द्र – शुष्क

आमिष – निरामिष

आगरा – दुराग्रह

आसक्त – अनासक्त

आधुनिक – प्राचीन

आदि – अनादि

आगत – अनागत

आश्रित – निराश्रित

आरोह – अवरोह

आवृत – अनावृत

आकाम – सकाम

अंतरंग – बहिरंग

अंधकार – प्रकाश

अर्पण – ग्रहण

अस्त – उदय

अमर – मर्त्य

अन्नति – उन्नति

अग्नि – जल	अनित्य – नित्य
अति – अल्प	अतल – वितल
अरुचि – सुरुचि	अधिक – अल्प
अनेकता – एकता	अधिकारी – अनधिकारी
अमृत – विष	अंधकार – प्रकाश
अमीर – गरीब	

साहित्य विभाग :

१:अतिलघु उत्तरीय प्रश्नः

१) आरिफ़ और सलीम सुबह-सुबह कैसे सपने देखते थे?

उ- आरिफ़ और सलमि सुबह कव्वाली गाने या आइस्क्रीम खाने के सपने देखते थे।

२) अम्मीके अधिकार किसके द्वारा छिने गए थे?

उ- अम्मी के अधिकार आरिफ़ और सलीम द्वारा छिने गए थे।

३) दादी सुबह नमाज़ पढ़ने के बाद क्या-क्या करती थीं?

उ- दादी सुबह नमाज़ पढ़ने के बाद दवाइया खाती और बादाम का हरीरा पीती थी।

४) कोको के माता-पिता किस काम से, कहाँ गए थे?

उ- कोको के माता-पिता धान लगाने खेत में गए थे।

५) कोको ने पहली बार रोटियाँ छिपाकर कहाँरखी थीं?

उ- कोको ने पहलो बार रोटियाँ रेड़ियों के पिछे छिपा के रखी थी।

६) मिमि को पापड़ खाते हुए कैसी आवाज़ सुनाई दी?

उ- मिमि को पापड़ खाते समय हल्की सी गुड़गुडाने की आवाज़ सुनाई दी।

७) चेले ने किसकी कौन-सी बात नहीं मानी?

उ- चले ने गुरु की बात नहीं मानी कि इस अंधेर नगरी में एक पल भी नहीं रहना चाहिए।

८) राजा ने संतरी को बुलाकर क्या पूछा?

उ- राजा ने संतरी को बुलाकर पूछा कि, "यह दीवार कैसे गिरी, इस दीवार को किसने बनाया।"

९) दीवार गिरने के अपराध में सबसे पहले किसे, क्या सज़ा सुनाई गई?

उ- दीवार गिरने के अपराध में सबसे पहले कारीगर को सज़ा सुनाई गई।

१०) मशक वाले ने किसे दोष दिया?

उ- मशक वाले ने मंत्री को दोषी ठहराया।

११ स्वामीनाथन के दादा जी किस पद पर थे?

उ- स्वामीनाथन के दादा जी सब-मजिस्ट्रेट थे।

२२ राजम को गणित में कितने नंबर मिलते थे?

उ- राजम को गणित में सौ में से नब्बे नंबर मिलते थे।

२३ दादी ने जो मैडलबुआ को दिया, उसका उन्होंने क्या किया?

उ- दादी ने जो मैडलबुआ को दिया, उसको गलवा करबुआ ने चार चुड़ियाँ बनवा ली थी।

२४) वो इधर से निकला उधर चलागया।" यहकिसने कहा?

उ- यह वाक्य बेटू ने कहा।

२५) दूसरे बालक के अनुसार बालक कहाँ कहाँ काम नहीं कर सकता था?

उ- दूसरे बालक के अनुसार बालक किसी दफ्तर या कॉलेज में काम नहीं करता।

२६) फिर से आगाह किसने किया?

उ- फिर से आगाह बेटू ने किया।

लघु उत्तरीय प्रश्न

१) आरिफ़-सलीम ने मिलकर अबबा के सामने क्या दरखास्त रखी?

उ- आरिफ़-सलीम ने अबबा के सामने दरखास्त रखी कि, "एक दिन के लिए बड़े बच्चे बने और बड़ोके अधिकार बच्चों को दिए जाए।

२) आरिफ़ ने अपनी योजना की शुरूआत कैसे की?

उ- आरिफ़ ने बहुत सवेरे अपनी अम्मी को झिंझोड़ कर योजना की शुरूआतकी।

३) सलीम ने अबबा के हुलिय की किस प्रकार से आलोचना की?

उ- सलीम ने अबबा के हुलिये के बारे में बताया कि बाल बढ़े हुए है, शेव बनाई नही है, कपड़े मेले हैं।"

४) कोको ने नीनी के आने पर दरवाज़ा देर से क्यों खोला?

उ- नीनी के आने पर कोको ने देर से दरवाजा खोला क्योंकि उसे चावल की रोटियाँ - छिपानी थी।

५) नीनी कोको के घर क्यों गया था?

उ- नीनी कोको के घर परीक्षा की खास खबर सुनने गया था।

६) कोको ने घर में चूहे के घुसने की बात किससे की और क्यों?

उ- कोको का पेट भूख से गुड़गुड़ा रहा था। उसन मिमि से झूठ कहा कि घर में चूहा आ गया है।वही ये आवाज खड़बड़-गड़गड़ कर रहाहै।

७) अंधेर नगरी से परिचित होने के बाद गुरु ने क्या प्रति क्रिया व्यक्त की?

उ- अंधेर नगरी से परिचित होने के बाद गुरुजी ने कहा यहा रहना खतरे से खाली नहीं है, जहाँ सभी चीजें टके सेर बिकती हो।

२) अंधेर नगरी में स्थित हाट की क्या विशेषता थी?

उ- अंधेर नगरी में स्थित हाट में सभी वस्तु टके सेर बिकती थी। मिठाई हो, भाजी हो, जीराहो, ककडी हो, सभी किंमती मामूली वस्तु का एक हीमूल्य टके से।

३) भिश्ती को फाँसी क्यों दी जा रही थी?

उ- भिश्ती ने दीवार बनाने का गारा ज्यादा गीला कर दिया था। जिससे दीवार कमजोर रही और गिर गई। इसी दोष के लिए भिश्ती को फाँसी दी जा रही थी।

४) मंत्री की जान कैसे बची?

उ- मत्री बहुत पतला-दुबला था। फाँसी का फंदाबड़ा बना जो मंत्री की गर्दन में नहीं बैठ रहा था। इस तरह मंत्री की जान बची।

५) राजम की किससे दुश्मनी और फिर दोस्ती हुई थी? यह बात किसे, कौन बता रहा-था?

उ- राजम की मणि से पहले दुश्मनी थी फिर दोस्ती हुई यह बात स्वामीनाथन अपनी दादी को बता रहा है।

६) स्वामीनाथन किसके पास, कौन-सी वर्दी होने की बात कर रहा था? वह वर्दी उसके

पास कहाँ से आई?

उ- स्वामीनाथन दादी को बतारहा था कि राजम के पिताजी पुलिस अधिक्षक थे, इसलिए राजमके पास पुलिस की वर्दी है।

७) दादी किसे महामूर्ख मानती थीं और क्यों?

उ- दादी अपनी बेटी यानी स्वामीनाथन की बुआ को महामूर्ख मानती थी क्यों कि दादी ने जो मैडल बुआ को एक याद के लिए दिया था और बुआने उस मैडल को गलवाकर चार चुड़ियाँ बनवाली थी।

८) पहला बालक अपने बाबा को कब, कहाँ जाने से मना कर रहा था और क्यों?

उ- पहला बालक अपने बाबा को रात में बाहर जाने से मना कर रहा था क्योंकि बाघ न जाने कब फिर से वहाँ आ जाए।

९) जहाँ बाघ रहताहै उस विषय में पहले बालक ने बाबा को से क्या कहा?

उ- पहले बालक ने बाबा को बताया कि एक रोज अपन उधर गए थे, झरनेके पास वही पे बाघ अपने दो बच्चों के साथ और बाघिन के साथ रहता है। बाघ या तो सोता है।या बच्चों के साथ खेलता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

१- सलीम ने अम्मी को टोककर क्या कहा? अम्मी को खाना छोड़कर गुसलखाना क्यों- जाना पड़ा?

उ- सलीम ने अम्मी को टोकते हुए कहा कि आपके दाँत कितने गंदे हो रहे है। जिसे - सुनकर अम्मी झेप गई और खाना छोड़कर गुसलखाने की और चल दी।

२) अब्बा का हँसते-हँसत बुराहालक्यों हो गया?

उ- अब्बा़ का हँसते-हँसतेबुराहाल हो गयाक्योंकिआरिफ़ ने अब्बाकी अच्छे से नकल उतारी थी।

३) कोको ने रेडियो खराब होने और उसमें करंट आन की बात किससे कही और क्यों?

उ- कोको ने रेडियो खराब होने की बात नीनी से कही थीं क्योंकि रेड़ियो के पीछे कोको ने रोटियाँ छिपाई थी इसलिए कोको ने कहा रेड़ियो खराब है उसमें करंट आ रहा है।

४) कोको दवारा बार-बार रोटियाँ छिपाने का क्या कारण था?

उ- कोको को बहुत भूखलगी थी, उसकी मम्मी उसके लिए चावल की रोटियाँ बनाकर रख गई थी। बार-बार कोई न कोई उसके घर का दरवाज़ा खटखटाता था। कोको किसी-के साथ मिलबाँट कर रोटियाँ खाना चाहता था, इस कारण उसे रोटियाँ छिपानी पड़ती थी।

५) कोको का फूलदानक्यों ब्दल गया? उससे उसे क्या नुकशान उठाना पड़ा?

उ- कोकोकी माँ ने दुकानदार से नीला फूलदान माँगा था, परंतु दुकानदार ने कुछ समय के लिए गुलाबी रंग का फूलदान दे दिया था। कोको ने जब रोटियाँ छिपाई थी तभी दुकान का मैनेजर आकर नीले फूलदान रख गया और गुलाबी फूलदान वापस ले गया, इस तरह रोटियाँ भी साथ चलीगई।

६) अपने विदयार्थी जीवन के बारे में स्वामीनाथन को किससे क्या जानकारी प्राप्त हुई?
उ- स्वामीनाथन को दादी ने दादाजी के बारे में बताया कि वह पढ़ाई में बहुत तेज थे।उन्हें उत्तर देने में बहुत कम समय लगता था। उनके उत्तर से परीक्षक भी चकित रह जाते थे और उन्हें दो सौ नंबर दे देते थे। एम ए में उन्हें मैडल भी मिला था।

७) राजम की वीरता की कहानी को अपने शब्दो में लिखिए।
उ- राजम एक छोटा, बहादुर और होशियार लड़का था। एक बार वह पिता के साथ जंगल में गया जहाँ दो शेरों से सामना हुआ। एक शेर ने पिता को गिरा दिया, दूसर शेर ने राजम को पीछे धकेला, जिसस वह झाड़ियों के पीछे जा गिरा, वहाँ से उसने शेर पर गोली चला दी। इस तरह राजम ने एक शेर को मारा था।

८) दादी ने स्वामीनाथन को उसके दादा के उत्तर लिखने के संदर्भ में क्या बताया?
उ- दादी ने स्वामीनाथन को दादा के उत्तर लिखने के बारे में बताया कि उन्हें उत्तर देने में बहुत कम समय लगता था। उनके उत्तर से परीक्षक भी चकित रह जाते थे औरउन्हें दो सौ नंबर दे देते थे। एम ए में उन्हें मैड़ल भी मिला था।

९) स्वामीनाथन केमन में दूसर ही क्षण संदेह पैदा क्यों हुआ?
उ- स्वामीनाथन जब दादी को राजम की कहानी सुना रहा था तब उसे दादी का उत्तर सही न होने पर चिढ़ हुई थी। लेकिन जब दादी ने राजम को अच्छा बच्चा बताया तब स्वामोनाथन क मन में दूसरे ही क्षण संदेह हुआ कि शायद दादी को शेर की कहानी पसंद नहीं आती या इस कहानी पर दादी को विश्वास नहीं हो रहा है।